बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld ifronu

जून 2019

fcgkj jkT; vkink icc/ku ikf/kdj.k

¼vkink icc/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lwph i`"B la-

(A) vfHk;ku@vfHk;kuksa@okLrfod fonkvksa@lkekU;@jkT; ds fefL=;ksa dk HkkdEijk/kh fuekZ.k rduhd ls lEcaf/kr izf'k{k.k 01&03

(B) eq[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;ZØe 04&06

(C) lqjf{kr rSjkdh ßdk;ZØe ds vUrxZr efgykvksa dk ekLVj VªsulZ dk izf'k{k.k 07

(D) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij ipk;r izfrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;ZØe 08&09

(E) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyksa ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;ZdeA 10&12

(F) **"Management of Animal in Emergencies"** **विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण** 13&14

(G) ty ladV fo"k; ij ,d dk;Z'kkyk dk vk;kstu 15

(H) ck<+ lqj{kk lIrkg ¼01&07 twu 2019½ dh rS;kfj;ksa gsrq vk;ksftr cSBdA 16&21

(I) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa çcaèku esa ehfM;k dh Hkwfedk ij dk;Z'kkyk 22&23

(J) **Mass Messaging/Whatsapp Advisory** 24

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on 13-19 June 2019 at Kishanganj District

ekfld ifronu ¼tu] 2019½

(A) vfHk;rkvk@okLrfonk@londk@jktfefL=;k dk HkdEijk/kh fuekZ.k rduhd l lcf/kr if'k{k.kA

(1) दिनांक 11 से 14 जून 2019 को किशनगंज जिला के 56 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

(2) दिनांक 11 जून 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार/आगामी प्रशिक्षण करने के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सम्पादित किया गया। इस प्रशिक्षण में 56 if'k{kvk ने भाग लिया।

(3) दिनांक 13 से 19 जून 2019 को किशनगंज जिला के 07 प्रखंडों (पोठिया, ठाकुरगंज, दिघलबैंक, बहादुरगंज, कोचाधामैन, सदर किशनगंज एवं टेढ़ागाछ) में 188 jktfefL=;k एवं अररिया जिला के 09 प्रखंडों (सिकटी, कुरसाकांटा, पलासी, जोकीहाट, सदर अररिया, रानीगंज, भरगामा, फारबिसगंज एवं नरपतगंज) में 263 jktfefL=;k को प्रशिक्षित किया गया।

(4) दिनांक 18 से 21 जून 2019 को अररिया जिला के 49 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

मई 2019 तक कुल 6380 राजमिस्त्री एवं 1497 vlfud vfHk;rk प्रशिक्षित किये गये थे। इस प्रकार जून 2019 तक कुल 6380$188$263 ¾ 6831 jktfefL=;ks एवं 1497$56$49 ¾ 1602 vlfud vfHk;rkvks को प्रशिक्षित किया गया।

माह जून 2019 में संचालित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण अगले पृष्ट पर द्रष्टव्य है :–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

tu 2019 e lpkfyr dk;Øek dk fooj.k

Engineers Training/Refresher Course			
Sr.	**Name of Program**	**Training Date/ Venue**	**No. of Participants**
1	4 Days Engineers Training	11-14 June-19/Kishanganj	56 Engineers Trained
2	Refresher Course	11 June-19/Patna	56 Mason Trainers
3	4 Days Engineers Training	18-21 June-19/Araria	49 Engineers Trained

7 days Mason training in Kishanganj District			
Sr.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1	Pothiya	**13 to 19 June, 2019**	30
2	Thakurganj		25
3	Dighalbank		29
4	Bahadurganj		21
5	Kochadhamaw		29
6	Sadar Kishanganj		24
7	Tedhagachha		30
		Total	**188**

7 days Mason training in Araria District			
Sr.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1	Sikati	**13 to 19 June, 2019**	30
2	Kursakanta		29
3	Palasi		30
4	Jokihat		29
5	Sadar Araria		30
6	Raniganj		29
7	Bhargama		30
8	Farbisaganj		29
9	Narpatganj		27
		Total	263

(B) e¦[;e=h fo|ky; l¦j{kk dk;Øe

1- fo|ky;k e l¦jf{kr 'kfuokj dk fØ;kUo;u

इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को बाल प्रेरकों एवं फोकल शिक्षकों के माध्यम से विद्यालयों में आपदा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम चलाना था। अभी तक 37 जिलों में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रारम्भ हो चूका है। सिर्फ गोपालगंज जिला में विद्यालय स्तर पर यह कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हो पाया है।

सुरक्षित शनिवार के क्रियान्वयन दस्तावेज में वर्णित वार्षिक सारणी के अनुसार जून माह के प्रथम शनिवार को बिहार के विभिन्न विद्यालयों में "अपने गाँव के बच्चों के साथ गाँव/टोले/मोहल्ले का बाल सुरक्षा समिति के मदद से हजार्ड हंट" के बारे में फोकल शिक्षकों एवं बाल प्रेरकों के द्वारा जानकारी दी गयी। जून माह के दूसरे शनिवार को "अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं अगलगी से बचाव का अभ्यास" की जानकारी दी गयी। तीसरे शनिवार को "अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं लू/गर्म हवा, वज्रपात से बचाव का अभ्यास" दी गयी। चौथे शनिवार को "अवकाश के दौरान अपने गाँव के बच्चों के साथ गाँव/टोले का हजार्ड हंट एवं आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण" की जानकारी दी गयी।

2- e[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;ZØe dh vuqxkeh ftyk ,oa çk[kaM Lrjh; inkf/kdkfj;ksa dk ,d fnolh; mUeq[khdj.k&

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायादेश में जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के लिए नोडल पदाधिकारी माना गया है जो जिले के सभी विद्यालयों में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उत्तरदायी हैं। चूँकि जिला शिक्षा पदाधिकारी अपने अधीनस्थ अन्य शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के माध्यम से ही इस कार्यक्रम का संचालन करते हैं, अतः आवश्यक है कि विद्यालयों के साथ आवश्यक संवाद एवं इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा अन्य सम्बंधित पदाधिकारियों एवं सभी सम्बंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों का मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत "सुरक्षित शनिवार" के विषय में उन्मुखीकरण किया जाए। तद्नुसार मई माह के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ कर 25 जून तक शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रमण्डल एवं जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न जिलों के शिक्षा विभागीय पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

mUeq[kh dj.k dk;Z'kkykvksa dk fooj.k fuEufyf[kr g%&

क्रम सं.	dk;Z'kkyk की तिथि	प्रमंडल	Hkkx ysus okys जिलों का नाम (प्रखंडों की संख्या)	प्रशिक्षण स्थल
1	30.05.2019	पटना	पटना(23) एवं नालंदा(20)	पटना
2	03.06.2019	पटना	भोजपुर(14) एवं बक्सर(11),	भोजपुर
3	04.06.2019	पटना	कैमूर(11) एवं रोहतास(19)	रोहतास
4	07.06.2019	तिरहुत (मुजफ्फरपुर)	पश्चिम चंपारण(18) एवं पूर्वी चंपारण(27)	मुजफ्फरपुर
5	08.06.2019	तिरहुत (मुजफ्फरपुर)	मुजफ्फरपुर(16), सीतामढ़ी(17), शिवहर(5) एवं वैशाली(16)	मुजफ्फरपुर
6	11.06.2019	मगध (गया)	गया(24) एवं जहानाबाद(7)	गया
7	12.06.2019	मगध (गया)	अरवल(5), औरंगाबाद(11) एवं नवादा(14)	गया
8	14.06.2019	मुंगेर	मुंगेर(9), जमुई(10), लखीसराय(7) एवं शेखपुरा(6)	मुंगेर
9	15.06.2019	भागलपुर	भागलपुर(16) एवं बांका(11)	भागलपुर
10	18.06.2019	मुंगेर	बेगुसराय(18) एवं खगड़िया(7)	बेगूसराय
11	20.06.2019	कोसी (सहरसा)	सहरसा(10), मधेपुरा(13) एवं सुपौल(11)	सहरसा
12	21.06.2019	पूर्णिया	पूर्णिया(14), अररिया(9), किशनगंज(7) एवं कटिहार(16)	पूर्णिया
13	24.06.2019	सारण (छपरा)	सारण(20), सिवान(19) एवं गोपालगंज(14)	सारण
14	25.06.2019	दरभंगा	दरभंगा(18), मधुबनी(21) एवं समस्तीपुर(20)	दरभंगा

(C) Þl|jf{kr r|jkdhß dk;Øe d| v|r|xr efgykvk| dk ekLVj V|ul| i|f'k{k.kß&

प्राधिकरण द्वारा डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से ''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम के अंतर्गत नदियों के किनारे अवस्थित गाँवों के युवक/युवतियों को निर्धारित अर्हताओं के अनुसार मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का कार्य आरंभ हुआ है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के प्रथम बैच में पटना जिले के मनेर एवं फतुहाँ प्रखंड के कुल 30 चयनित प्रशिक्षुओं को ''मास्टर ट्रेनर्स'' का 09 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13.06.2019 से दिनांक 21.06.2019 तक National Inland Navigation Institute (NINI), पटना में सम्पन्न किया गया। इनमें से 9 प्रशिक्षुओं ने निर्धारित मानदण्डों को प्रशिक्षण उपरांत सफलता पूर्वक पूरा किया। फलतः उन्हें मास्टर ट्रेनर नामित किया गया। शेष 21 ने मानदण्डों को पूरा नहीं किया।

प्रशिक्षुओं को Resource Persons द्वारा एतद् विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य, विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, तैराकी प्रशिक्षण, डूबने को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, समुदाय स्तर पर बालक–बालिकाओं के प्रशिक्षण की प्रक्रिया, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश, संर्पदंश प्रबंधन एवं बाल संवेदनशीलता आदि विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का विवरण निम्नांकित हैः–

Ø0 l0	frfFk	ftyk	i|[k.M	LFkku	d|y i|f'kf{kr i|f'k{k|	
1.	13.06.2019–21.06.2019	पटना	मनेर एवं फतुहाँ	NINI	मास्टर ट्रेनर्स	09
					तैराकी प्रशिक्षित प्रशिक्षु	21
					कुल	30

(D) vkink tkf[ke U;uhdj.k ,o icU/ku fo"k; ij ipk;r ifrfuf/k;k dk if'k{k.k dk;Øe%&

jkT; Lrj ij if'kf{kr ekLVj Vªuj }kjk ftyk e i[kM Lrjh; if'k{k.k

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग दिया गया है। सभी जिलों में प्रखंड स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त हैः–

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया 23. औरंगाबाद 24. अरवल 25. नवादा 26. खगड़िया 27. शेखपुरा 28. कैमूर 29. भागलपुर 30. बेगूसराय 31. पूर्णिया 32. रोहतास 33. जमुई 34. मुंगेर 35. गोपालगंज 36. भोजपुर 37. लखीसराय 38. गया।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, जहानाबाद, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, बांका, समस्तीपुर, सिवान, औरंगाबाद, अररिया एवं खगड़िया जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

इन 13 जिलों से प्राप्त प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् हैः–

Ø0l0	ftyk dk uke	ftyk ifj"kn lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	iapk;r lfefr lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ef[k;k ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ljip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	okM lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	dy if'kf{krk dh l0
1	मधुबनी	56	539	371	378	5149	5127	11620
2	मुजफ्फरपुर	25	288	263	207	1627	1291	3701
3	शिवहर	1	48	30	35	558	540	1212
4	सारण	6	294	273	239	3897	3139	7848
5	जहानाबाद	4	87	78	85	968	927	2149
6	पूर्वी चम्पारण	10	271	236	262	3234	2553	6566
7	सुपौल	15	198	146	145	1766	1631	3901
8.	बंका	13	161	117	152	1987	1912	4342
9.	समस्तीपुर	10	277	269	584	3259	3528	7927
10.	सिवान	10	272	236	253	3169	2965	6905
11.	औरंगाबाद	8	174	172	187	2494	2374	5409
12.	अररिया	22	174	172	204	2891	2828	6431
13.	खगड़िया	18	175	129	129	1864	1864	3453
	dy	**198**	**2958**	**2492**	**2860**	**32863**	**30679**	**71464**

शेष जिलों को लगातार स्मार दिया जा रहा है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyk ds iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;ZdzeA

बिहार राज्य के बहु–आपदा के संबंध में प्रखण्ड स्तर तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी जागरूकता के उद्देश्य से बिहार के सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरंभ किया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष को बहु–आपदा के जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी और इसके द्वारा आपदाओं के जोखिम की पहचान कर उससे सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्धन हो सकेगा तथा ''बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप 2015–2030'' के उद्देश्य के अनुरूप एक ''सुरक्षित बिहार'' के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी।

''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर जिला परिषद् अध्यक्षों का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 27–28 जून 2019 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के समापन समारोह में श्री लक्ष्मेश्वर राय, माननीय मंत्री आपदा प्रबंधन विभाग मुख्य अतिथि थे। उनके द्वारा उपस्थित जिला परिषद् अध्यक्षों को संबोधन कर प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

प्राधिकरण द्वारा माह नवम्बर 2018 से चयनित प्रखंडों के प्रमुखों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

Ø-	fnukad	ifrHkkxh ftyk	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
1	27–28 नवम्बर, 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, शिवहर, जमुई, रोहतास, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, मुंगेर, पश्चिम चम्पारण।	20
2	6–7 दिसम्बर 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, पश्चिम चम्पारण, किशनगंज, भागलपुर, गया, कटिहार, नवादा, औरंगाबाद, नालंदा, भोखपुरा, पूर्णिया, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, लखीसराय, जहनाबाद।	37
3	11–12 दिसम्बर 2018	मधुबनी, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, भागलपुर, औरंगाबाद, भोखपुरा, मुजफ्फरपुर, लखीसराय, अरवल, जहनाबाद, सारण, रोहतास, सिवान।	15
4	17–18 दिसम्बर, 2018	कैमूर, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, कटिहार, सहरसा, रोहतास, जहनाबाद, गया, किशनगंज, सुपौल, खगड़िया, सारण, लखीसराय, पटना, सिवान, वैशाली, नालन्दा, मधुबनी, समस्तीपुर, भोजपुर, भागलपुर।	29
5.	27–28 दिसम्बर, 2018	नालन्दा, मधेपुरा, दरभंगा, लखीसराय, रोहतास, भोखपुरा, औरंगाबाद, भागलपुर, सिवान, सारण, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, सुपौल, बेगूसराय, पश्चिम चम्पारण, कैमूर, पटना।	26
6.	3–4 जनवरी, 2019	अररिया, कटिहार, पटना, जहनाबाद, भोजपुर, पूर्वी चम्पारण, नवादा, मधुबनी, सुपौल, नालन्दा, गया, मुजफ्फरपुर, बक्सर, सहरसा, लखीसराय, सारण,	28

		बांका, समस्तीपुर, दरभंगा, शिवहर, भोखपुरा, मधेपुरा, गोपालगंज, भागलपुर	
7.	11–12 जनवरी, 2019	दरभंगा, गया, पूर्णिया, मुंगेर, रोहतास, कटिहार, सुपौल, नालन्दा, भोजपुर, मधुबनी, औरंगाबाद, पूर्वी चम्पारण, सारण, पश्चिम चम्पारण	17
8.	17–18 जनवरी, 2019	कटिहार, नवादा, बेगूसराय, गया, भोजपुर, समस्तीपुर, पटना, पूर्वी चम्पारण, मधेपुरा	13
9.	30–31 जनवरी, 2019	खगड़िया, गया, वैशाली, पटना, मुजफ्फरपुर, भोजपुर, कटिहार, समस्तीपुर, सुपौल, कैमूर	21
10.	5–6 फरवरी, 2019	सारण, कैमूर, शिवहर, नालंदा, समस्तीपुर, वैशाली, सिवान, रोहतास, सीतामढ़ी, अरवल	25
11.	12–13 फरवरी, 2019	कटिहार, मधेपुरा, समस्तीपुर, सहरसा, नवादा, सुपौल, मधुबनी, पूर्वी चम्पारण	15
12.	9–10 मई, 2019	भागलपुर, गया, औरंगाबाद, नवादा, जमुई, कि ानगंज	24
13.	30–31 मई, 2019	पूर्वी चम्पारण, बेगूसराय, सारण, पटना, खगड़िया।	17
		कुल	287

ftyk ifj'kn v/;{k dk izf'k{k.k dk;Øe

dze	fnukad	izfrHkkxh ftyk	izfrHkkfx;ksa dh la[;k
1	27–28 जून, 2019	खगड़िया, सहरसा, मधेपुरा, अरवल, बक्सर, सीतामढ़ी, कैमूर, मुंगेर, सुपौल, पूर्णिया, जहनाबाद, औरंगाबाद, रोहतास।	16
		कुल	16

इस प्रकार माह जून 2019 तक कुल 287 प्रखंड प्रमुखों एवं 16 जिला परिषद् अध्यक्षों को प्रशिक्षित किया गया है।

(F) "Management of Animals in Emergencies" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण।

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहाँ सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू इत्यादि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते है और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशु संसाधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशु चिकित्सकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर ‘‘आपात स्थिति में पशु प्रबंधन’’ (Management of Animals in Emergencies) विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशु चिकित्सकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में तथा World Animal Protection (WAP) और Policy Perspectives Foundation (PPF) के सहयोग से दिनांक 04 जून, 2018 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। जून 2019 माह तक कुल 33 बैचों में निम्नानुसार प्रशिक्षण आयोजित किया गया है:–

cp l[;k	fnukd	ifrHkkfx;ks dh l[;k
1	4–7 जून, 2018	35
2	15–18 जून, 2018	35
3	20–23 जून, 2018	35
4	27–30 जून, 2018	35
5	11–14 जुलाई, 2018	35
6	16–19 जुलाई, 2018	35
7	23–26 जुलाई, 2018	35
8	28–31 जुलाई, 2018	35
9	17–20 सितम्बर, 2018	34
10	26–29 सितम्बर, 2018	35
11	3–6 अक्टूबर, 2018	34

12	7—10 अक्टूबर, 2018	30
13	11—14 अक्टूबर, 2018	35
14	2—5 जनवरी, 2019	34
15	7—10 जनवरी, 2019	35
16	16—19 जनवरी, 2019	35
17	21—24 जनवरी, 2019	35
18	28—31 जनवरी, 2019	35
19	4—7 फरवरी, 2019	35
20	20—23 फरवरी, 2019	35
21	25—28 फरवरी, 2019	35
22	5—8 मार्च, 2019	33
23	11—14 मार्च, 2019	31
24	24—27 अप्रैल, 2019	38
25	3—6 मई, 2019	37
26	14—17 मई, 2019	39
27	20—21 मई, 2019	39
28	22—25 मई, 2019	36
29	28—29 मई, 2019	41
30	3—6 जून, 2019	36
31	12—15 जून, 2019	41
32	17—20 जून, 2019	42
33.	26—27 जून, 2019	39
	d|y	1179

इस प्रकार माह जून 2019 तक कुल 1179 पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया गया है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) ty ldV fo"k; ij ,d fnolh; dk;l'kkyk dk vk;ktu

दिनांक 19.06.2019 को राज्य में जल संकट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में जल विशेषज्ञ एवं जल पुरूष राजेन्द्र सिंह की उपस्थिति में बिहार में जल संकट एवं उसके निवारण के उपायों पर परिचर्चा की गई। कार्यशाला में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों जैसे, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, नगर विकास विभाग, पर्यावरण एवं वन विभाग तथा केन्द्रीय भू जल बोर्ड एवं विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि द्वारा जल संरक्षण से संबंधित प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा किया गया। साथ वैशाली जिले के जिला पदाधिकारी, श्री राजीव रौशन द्वारा सीतामढ़ी जिले में बतौर जिलाधिकारी, उनके कार्यकाल के दौरान जल संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। वैशाली जिले की पूर्व जिला पदाधिकारी डॉ0 रचना पाटिल ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। इस कार्यशाला में यह निर्णय हुआ कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य में जल साक्षरता अभियान शुरू किया जाय एवं इस अभियान में सभी संबंधित हितधारकों को जोड़ा। अभिमान के लिए यूनिसेफ को संयोजक नामित किया गया।

(H) ck<+ lqj{kk lIrkg ¼01&07 twu 2019½ dk vk;kstuA

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ सुरक्षा सप्ताह (1–7 जून, 2019) के अंतर्गत पंचायत स्तर से लेकर राज्य स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 01.06.2019 एवं 7 जून को राज्य के दो दैनिक हिन्दी एवं एक अंग्रेजी एवं एक उर्दू अखबार में बाढ़ सुरक्षा संबंधी उपायों को विज्ञापन के माध्यम से प्रकाशित किया गया।

इस सप्ताह दिनांकः–01.06.2019 को पटना जिले के हल्दी छपरा दियारा में बाढ़ सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ तथा बाढ़ के दौरान पशुओं

को सुरक्षित निकालने की विधि बताई गयी। यह कार्यक्रम एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 एवं अन्य हितभागियों के सहयोग से किया गया था।

दिनांक 03.06.2019 को बाढ़ पूर्व तैयारियों हेतु पंचायतीराज संस्थाओं के जन–प्रतिनिधियों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बाढ़ प्रभावित पंचायतों के मुखिया एवं अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

इस सप्ताह के अंतर्गत 07.06.2019 को सामाजिक क्षेत्र की सेवाऐं प्रदान करने वाले विभागों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, श्री लक्ष्मेश्वर राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उपरोक्त कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण आगे के पृष्ठों पर द्रष्टव्य हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

1. gYnh&Nijk fn;kjk] euj ¼xxk unh½ e ck< cpko ij vk/kkfjr ,d dk;Øe

पटना जिले का दियारा क्षेत्र बाढ़ जैसी आपदा के मदद्‌नजर बहुत ही संवेदनशील है। बाढ़ के दौरान डूबने एवं नौका दुर्घटना में बहुत लोगों ने अपनी जानें गंवायी हैं। बाढ़ एवं नौका दुर्घटना होने वाले मानव क्षति को रोकने के लिये गंगा–दियारा क्षेत्र के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्धेश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा ‘‘बाढ़ सुरक्षा सप्ताह’’ (1–7 जून, 2019) के अवसर पर बाढ़ बचाव पर आधारित एक संयुक्त मॉकड्रिल का आयोजन दिनांक– 01.06.2019 को मनेर के गंगा किनारे हल्दी छपरा में दियारा में किया गया।

इस संयुक्त मॉकड्रिल में 350 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिसमें एन0डी0 आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, बिहार पुलिस, पटना ट्रैफिक पुलिस, पटना जिला प्रशासन, सिविल डिफेंस, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, बिहार अग्नि शाम सेवाएं, स्वास्थ विभाग, शिक्षा विभाग तथा विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों एवं छात्र छात्राएं तथा स्थानीय लोग शामिल थे। बाढ़ बचाव पर आधारित इस मॉक अभ्यास के प्रथम चरण में एन0डी0आर0एफ0 एवं एस0डी0आर0एफ0 के बचाव कर्मियों द्वारा स्थानीय घरेलू सामानों की मदद से राफ्ट बनाने की विधि तथा इसके उपयोग के तरीके बताये गये। फिर बाढ़ बचाव की विभिन्न तकनीकों व डूबे हुए व्यक्तियों के अस्पताल–पूर्व चिकित्सा की जानकारी दी गयी।

दूसरे चरण में नौका दूर्घटना के पश्चात् स्थानीय स्वंय सेवकों द्वारा प्रथम रिस्पोंडर के रूप में कार्रवाई की गयी। इस दौरान उपस्थित लोगों को नौका सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को भी बताया गया तथा डेमो के माध्यम से दिखाया गया। पानी में डूब रहे पीड़ितों को बचाने के बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा हेतु एन0डी0आर0एफ0 के जलीय एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजने का अभ्यास भी किया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा नदी में डूबते हुए जानवरो को बचाने के उपाय पर मॉक अभ्यास किया गया।

इस अवसर पर श्री व्यास जी, उपाध्याक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डॉ0 यू0के0 मिश्र, सदस्य एवं श्री पी0एन0 राय, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री रविकांत, द्वितीय कमांड अधिकारी, एन0डी0आर0एफ0, बिहटा, पटना, श्री एस0एस0 यादव, डिप्टी कमांडेंट, एस0डी0आर0एफ0, बिहटा, पटना सहित कई वरीय पुलिस अधिकारी तथा अन्य विशिष्ट लोग मौजूद थे।

2. 03 जून 2019 बाढ़ पूर्व तैयारियों हेतु पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यशाला–

बाढ़ सुरक्षा सप्ताह (1–7 जून 2019) के अवसर पर अति बाढ़ प्रवण जिलों के मुखिया एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बाढ़ पूर्व तैयारियों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अति बाढ़ प्रवण जिलों के मुखिया/उप मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि, पंचायती राज विभाग के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के प्रतिनिधि, राज्य आपदा मोचन बल के प्रतिनिधि, गृह रक्षा वाहिनी, नागरिक सुरक्षा तथा यूनीसेफ एवं अन्य INGO's शामिल हुये।

इस कार्यशाला का उद्देश्य मुख्य रुप से अति बाढ़ प्रवण/बाढ़ प्रवण जिलों में बाढ़ पूर्व तैयारियों से अवगत होना था। संबंधित महत्वपूर्ण विभागों जैसे आपदा प्रबंधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, ICDS, PHED, के पदाधिकारियों ने अपनी बाढ़ पूर्व तैयारियों के उपर प्रकाश डाला। साथ हीं मुखिया/उप मुखिया ने बाढ़ पूर्व तैयारियों हेतु अपने पंचायतों में किये गये बेहतरीन कार्यो पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के अन्त में उपाध्यक्ष/सदस्य द्वय, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा अपने क्षेत्र में किये गये बेहतर कार्यो हेतु मुखिया/उप मुखिया जी को सम्मानित किया गया।

3. 07 जून 2019 सामाजिक क्षेत्र की सेवाएं प्रदान करने वाले विभागों के साथ कार्यशालाः–

बाढ़ सुरक्षा सप्ताह (1–7 जून 2019) के अवसर पर दिनांक 07 जून 2019 को सामाजिक क्षेत्र की सेवाएं प्रदान करने वाले विभागों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग श्री लक्ष्मेश्वर राय के कर कमलों के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में संबंधित विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं यूनीसेफ के प्रतिनिधि/पदाधिकारी शामिल हुए।

किसी भी आपदा में सर्वाधिक संवेदनशील समूह के अन्तर्गत बच्चे एवं महिलायें आते हैं। विशेष कर बाढ़ आपदा में बच्चों की पढ़ाई बन्द हो जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं बन्द हो जाती है एवं कई अन्य बुनियादी सेवाएं प्रभावित हो जाती हैं। ऐसी परिस्थितियों में विभिन्न विभागों जैसे शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की तैयारियों को बेहतर बनाने की आवश्यकता है ताकि उक्त बुनीयादी सेवाएं आपदा के दौरान भी संचालित होती रहे, तभी हम सुरक्षित बिहार की ओर अग्रसर होंगें।

(I) ^^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa çcaèku esa ehfM;k dh Hkwfedk^^ ij dk;Z'kkyk ¼18-06-2019½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से ‘‘आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन में मीडिया की भूमिका’’ पर आधे दिन 18.06.2019 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य था।

- मीडिया का आपदा जोखिम प्रबंधन एवं न्यूनीकरण विषय पर संवेदीकरण करना।
- आपदा जोखिम प्रबंधन एवं न्यूनीकरण विषय पर मीडिया कि भूमिका को सुस्पष्ट करना।
- आपदा प्रबंधन संबंधी जागरूकता हेतु समुदाय, मीडिया एवं सरकार के बीच एक सेतु का निर्माण।

इस कार्यशाला की शुरुआत में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों एवं कार्यशाला की रूप रेखा पर चर्चा की गयी एवं कार्यशाला से क्या अपेक्षाएँ, है इसको प्राधिकरण के सदस्यों एवं उपाध्यक्ष द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। आगे की कड़ी में बिहार सरकार द्वारा अनुमोदित बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप 2015–2030 का प्रस्तुतीकरण किया गया एवं उसके प्रमुख विंदुओं, जैसे लक्ष्य, उपागम, कार्यविधियाँ एवं सभी संबन्धित विभागों की भूमिकाओं को स्पष्ट रूप से बताया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किये जा रहे विभिन्न प्रयासों को अलग–अलग प्रभाग के परियोजना पदाधिकारियों एवं वरीय सलाहकारों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मीडिया के उपस्थित प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गयी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से AES के इलाज के संबंध में उठाए गए कदमों की सम्यक प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरणों के उपरांत मीडिया के प्रतिनिधियों से खुले सत्र में चर्चा की गयी एवं उनके विचारों एवं दृष्टिकोण को कार्यशाला में प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रमुख रूप से जो बातें मीडिया के प्रतिनिधियों द्वारा कही गयीं, इस प्रकार हैं–

- राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समय–समय कार्यक्रमों की जानकारी नियमित रूप से मीडिया के साथ साझा करना।
- प्राधिकरण की तरफ से संबन्धित विषयों के पदाधिकारी मीडिया घरानों से संपर्क कर प्रस्तुतीकरण दें, और बताएं कि सरकार एवं प्राधिकरण आपदा जोखिम प्रबंधन एवं न्यूनीकरण के लिए क्या कर रहे हैं और किस तरह की नीतियाँ एवं गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

- मीडिया के उन सभी प्रतिनिधियों का उन्मुखीकरण किया जाय जो प्रमुख रूप से आपदा प्रबंधन विषय की रिपोटिंग के लिए जिम्मेदार हैं एवं इसके लिए मीडिया घरानों में उच्च स्तर से संपर्क एवं समन्वय की आवश्यकता है।
- उपस्थित प्रतिभागियों ने, जिलों के स्तर पर भी मीडिया प्रतिनिधियों के संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण पर ज़ोर दिया और कहा कि उनका संवेदी ज्यादा आवश्यक है क्योंकि समुदाय स्तर पर वे लोग ही ज्यादा संपर्क में रहते हैं।

इन्ही चर्चाओं के साथ कार्यशाला का समापन किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री व्यास जी, सदस्य द्वय डॉ उदयकांत मिश्र, श्री पी. एन. राय, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव श्री रामचंद्र डुडु, हिंदुस्तान टाइम्स के श्री अरुण कुमार एवं मीडिया के प्रतिनिधि, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पदाधिकारी गण आदि मौजूद थे।

(J) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

1. जून माह में प्राधिकरण द्वारा ''xel gok,@yw ls lqj{kk dk mik;^^ rFkk ^^vxyxh ls cpko dk mik;^^ पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः— पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः—(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), आंगनबाड़ी सेविका (45946), फायर सर्विसेस (142), फौरेस्ट ऑफिसर (175)।

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k }kjk izf'kf{kr%& फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (5324), मुखिया और सरपंच (968), प्रमुख (196), अभियंत्ता (827), मैसन (4992+97=5089), आपदा मित्र (150), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

iz'kklu%& DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

2. मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है।